बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २ - पूर्व कसौटी - १४ जून, २०१५)

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English)में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

६०२/२००

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १४ जून, २०१५)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र -२**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''यदि हम सिर्फ़ जीवो के गुनाहों की ओर देखते रहे तो किसी का भी मोक्ष न होता । '' (२३)

२. ''दोनों को यहाँ से बाहर निकालो ।'' (९५) ३. ''सोरठ देश में कोई जीवनमुक्ता प्रकट हुए हैं ।'' (६५)

प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **[९]**

१. जेठा मेर को बड़ा आश्चर्य दिखाई दिया । (५५)

२. सोमला खाचर ने अपनी सारी ज़मीन भगवान स्वामिनारायण के चरणों में समर्पित कर दी । (२९)

३. उका खाचर सभा में देर से आये । (१०) ४. निष्कुलानंद स्वामी पर महाराज प्रसन्न हो उठे । (७)

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. अक्षर की महिमा (उपासना) (७५) **अथवा** २. निष्कुलानंद काव्य (४०-४१)

३. अद्‌भुतानंद स्वामी (१२-१४) **अथवा** ४. भक्तराज मगनभाई (१०१-१०४)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[६]**

१. धारणा किसे कहते हैं ? (४३)

२. स्वामी ने अपनी बात में कहा है ''मैं तो चिरंजीव हूँ ।'' इसका मतलब क्या होता है ? (७६)

३. घास की देखभाल करते हुए जागा भक्त क्या प्रत्यक्ष देखते और सुनते थे ? (७२)

४. पाँचवीं मानसी पूजा कब होती हैं ? (४७) ५. कोन से भक्त आदर्श कहलाते थे ? (७७)

६. वचनामृत ग. प्र. २७ के अनुसार श्रीजीमहाराज कहाँ किस तरह रहे हैं ? (४२)

प्र.५ ''कभी अपने आपको दुःखी.....'' (८४-८६) **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** **[५]**

प्र.६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **(६)**

विषय : राजाभाई (६२-६४)

१. हर महीने गाँव में संतों का मंडल आता । **२.** आप के पिताजी बिमार है तो तुरंत यहाँ आ जाओ । **३.** राजा भक्त ने घर को ताला लगा दिया और पड़ोसी को चाबी दी । **४.** गोरधनभाई का पुत्र छोटा है तो तुम उनके खेत में जाकर हल चलावो । **५.** एक वणिक हरिभक्त को राजाभाई से घनिष्ठ मित्रता थी । **६.** गाँव के शिक्षित ब्राह्मण से अपनी पत्नी के नाम खत लिखवाया । **७.** सौराष्ट्र में अगतराई के पास मेवासा गाँव के रहने वाले थे । **८.** चक्की पीसते-पीसते थक गई हूँ । **९.** श्रीहरि ने दीक्षा प्रदान कर के अक्षरानंद स्वामी नाम रखा । **१०.** सोने के गहनों तथा गाय-बैलों को बेचकर साडे चार हज़ार रूपये इकट्ठे किए । **११.** सोरठ में खोरासा के पास अगतराई नामक गाँव हैं । **१२.** सेठ समय को देखकर बिना कुछ कहे चले गये ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐☐☐☐☐☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐☐☐☐☐☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.७ निम्नलिखित कीर्तन / जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **[८]**

१. प्रीत कर प्रीत कर ..... तत्काल त्यारे । (१७)

२. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्रीसाधुशीलाय नमः ..... ॐ श्रीस्वामिने नमः । (५१)

३. मायामयाकृति ..... शरणं प्रपद्ये ॥ (२६-२७)

४. स्नेहातुरस्त्वथ ..... शरणं प्रपद्ये ॥ (२८) इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''अब से ऊलटी गंगा नहीं बहेगी ।'' (७४) २. ''कोई उत्कृष्ट श्रद्धावान् मुमुक्षु मिल जाए तो पूरा ज्ञान उसीको देना चाहते हैं ।'' (७१)

३. ''जिन्हें सत्संग की दृढ़ता भी नहीं है, वे भी इतना समर्पण करते हैं ।'' (७७)

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. आनंद स्वामी को स्वामी की यथार्थ महिमा समझ में आई । (२४)

२. कल्याणभाई और दूसरे हरिभक्तों को स्वामी के स्वरूप का निश्चय हो गया । (२८-२९)

३. नथू नायी आश्चर्यवत् मूलजी भक्त को देखता रहा । (९)

४. गुणातीतानंद स्वामी ने महाराज के प्रासादीक वस्त्र का अस्वीकार किया । (३५)

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. हमारे अक्षरधाम की भेंट (४५-४८) २. रामा हाटी ने पंचव्रत धारण किए (६१) ३. एकात्मभाव (३२-३३) **(पृष्ठ पलटिये)**

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर **''सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २''** परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[५]**

१. मुक्तानंद स्वामी ने क्यों भूमिशयन किया ? (१८)
२. लकड़हारा के पास जाकर भक्तों ने क्या पूछा ? (६८)
३. स्वामी की आज्ञा की बात सुनकर गोपालानंद स्वामी क्या बोले ? (५२)
४. ब्रह्मभाव किस ने प्राप्त किया था ? (३६)
५. गुणातीतानंद स्वामी छत के नीचे किसकी भाँति क्यों खड़े थे ? (२१)

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. मान अपमान में एकता (८२-८४) २. अंतिम लीला (८५-८८)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. श्रेष्ठवक्ता (२७-२८)

(१) ☐ कथावार्ता करना तो श्रोता और वक्ता दोनों के लिए कल्याणकारी है ।

(२) ☐ गोपालानंद स्वामी ने ध्यान करना श्रेष्ठ बताया ।

(३) ☐ उपदेश की शैली चोटदार थी । (४) ☐ वरताल में स्वामी ने चार प्रश्न पूछे ।

२. श्रीहरि के साथ प्रथम मिलाप । (७-८)

(१) ☐ भादरा से लालजी भक्त पीपलाणा पहुँचे । (२) ☐ ब्रह्म और परब्रह्म का प्रथम मिलन ।

(३) ☐ नीलकंठवर्णी को पार्षदी दीक्षा । (४) ☐ नीलकंठवर्णी ने मूलजीभक्त की महिमा सार्वजनिक रूप से कही ।

३. थाणागालोल के जसा भगत (६६)

(१) ☐ गुणातीतानंद स्वामी ने गाँव छोड ने की मना की थी । (२) ☐ घर से रोटी और सब्जी लाने को कहा ।

(३) ☐ महाराज की आज्ञा का दृढ़ पालन करना, और उत्सव पर आते रहना ।

(४) ☐ दान-धर्मादा निकालते नहीं हैं, इसलिए यह दु:ख आया है ।

४. महाराज द्वारा कही गई मूलजी की महिमा । (१०, ११)

(१) ☐ हज़ारों भक्तों के नियंता होगे । (२) ☐ वह तो एक महान विभूति है ।

(३) ☐ उनकी स्वतंत्र मूर्ति भी स्थापित होगी । (४) ☐ अनंत ब्रह्मांडों को मुलजी ने धारण किया ।

प्र. १४ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बालचरित्र : समयान्तर से कैलासनाथ और पूरीबा को दूसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम रखा रवजी ।

ज. बालचरित्र : समयान्तर से भोलानाथ और साकरबा को दूसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम रखा सुन्दरजी ।

१. **दरिद्रता मिटाई :** भावनगर के सत्संगी युवान मुसाजी मिस्त्री की आर्थिक परिस्थिति सध्धर थी । (७१)

२. **प्रागट्य :** रास्ते में लेखाटींबी नामक गाँव में एक दरबार के घर रात्री निवास किया । संवत् १७३८ वैसाख शुक्ला नवमी का वह दिन था । (१)

३. **सत्संग में अक्षरब्रह्म स्वरूप का प्रवर्तन :** ब्रह्मचारी के धामगमन के बाद उनके अंतेवासी सेवक पूजा डोडिया त्यागी हुए थे । उनका नाम घनश्यामदास था । (५५)

४. **नागर भाविक का परिवर्तन :** इस वणिक भक्त के मन में भाव उठा कि स्वामी तो इतने बड़े आश्रम के कोठारी हैं । अत: सदैव काजु-बदाम ही खाते होंगे । (६९)

५. **अहमदाबाद में सम्मान :** रात्री सभा में भगतजी ने महाराज के सर्वोपरिस्वरूप की दिव्य बातें कहीं । (८४)

६. **क्षमाशील :** नवाब का आदेश होते ही उनके सैनिको ने हरिभक्तों को भिक्षा माँगते ही धेर लिया । (३०)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २०१५ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx